राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–pr.rajbhavan@gmail.com
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

चिकित्सा शिक्षा के विकास में पटना मेडिकल कॉलेज का योगदान महत्वपूर्ण रहा है–राज्यपाल

पटना, 25 फरवरी 2020

''पटना मेडिकल कॉलेज, जिसका न केवल बिहार, बल्कि पूरे भारत में चिकित्सा शिक्षा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है, की प्रगति की दिशा में केन्द्र और राज्य सरकार पूरी तरह तत्पर हैं। साथ ही, यहाँ के पूर्ववर्ती छात्र भी इस काम में अपना हरसंभव सहयोग प्रदान कर रहे हैं।''–उक्त उद्‌गार, महामहिम राज्यपाल श्री फागू चौहान ने पी॰एम॰सी॰एच॰ परिसर में पटना मेडिकल कॉलेज के '95वें स्थापना दिवस–सह–पूर्ववर्ती छात्र सम्मेलन' के आयोजन में व्यक्त किये।

राज्यपाल ने कहा कि पटना मेडिकल कॉलेज के एम॰बी॰बी॰एस॰ कोर्स में प्रतिवर्ष 180 विद्यार्थियों का नामांकन हो रहा है। कॉलेज में 11 सुपर स्पेशलिटी विभाग सहित लगभग 35 विभाग आज कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि पी॰एम॰सी॰एच॰, पटना को 5 हजार 462 बेड के अंतर्राष्ट्रीय स्तर का मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बनाने की महत्वाकांक्षी योजना पर सरकार तेजी से अमल कर रही है। राज्यपाल ने विश्वास व्यक्त किया कि यह मेडिकल कॉलेज भविष्य में निश्चय ही अपनी ऊँचाइयों को छू सकेगा तथा राज्य में चिकित्सा–व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

राज्यपाल ने कहा कि पटना में पी॰एम॰सी॰एच॰, आई॰जी॰आई॰एम॰एस॰, एन॰एम॰सी॰एच॰, पटना एम्स जैसे सरकारी चिकित्सा–संस्थान तथा राज्य के सभी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल तेजी से विकास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि निजी क्षेत्रों की भागीदारी के आधार पर भी स्वास्थ्य–सुविधाएँ अगर राज्य में विकसित होती हैं तो अन्ततः इसका लाभ आम जनता को ही मिलेगा, बशर्ते कि गरीब रोगियों को यहाँ पर्याप्त राहत दी जाती हो।

राज्यपाल ने कहा कि दुनियाँ की सबसे बड़ी योजना और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का ड्रीम प्रोजेक्ट ''आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना'' का लाभ हरेक लाभार्थी तक पहुँचाया जाये, इस योजना का विस्तार हो तथा इसकी सघन मोनिटरिंग होती रहे, तो निश्चय ही चिकित्सा–जगत् के विकास में एक अद्‌भुत क्रांति देखने को मिलेगी। राज्यपाल ने इस योजना में भरपूर सहयोग के लिए चिकित्सकों से अनुरोध किया।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने पटना मेडिकल कॉलेज की ऐतिहासिक गौरवशाली विरासत के अनुरूप इसे आधुनिक रूप में विकसित करने का आह्‌वान करते हुए सुझाया कि शताब्दी वर्ष तक के लिए पी॰एम॰सी॰एच॰ के समग्र विकास की रूपरेखा अभी ही तैयार कर लेना बेहतर रहेगा।

कार्यक्रम में बोलते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्री मंगल पाण्डेय ने कहा कि राज्य सरकार पी॰एम॰सी॰एच॰ को 'वर्ल्ड क्लास हॉस्पीटल' बनाने की योजना कार्यान्वित करने जा रही है। उन्होंने आर्यभट्‌ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के अधीन एम॰एससी॰ (नर्सिंग) की पढ़ाई शीघ्र शुरू होने की उम्मीद जाहिर की। मंत्री ने पी॰एम॰सी॰एच॰ परिसर में वृक्षारोपण करने का भी अनुरोध किया।

कार्यक्रम में पटना मेडिकल कॉलेज पूर्ववर्ती छात्रसंघ के अध्यक्ष डॉ॰ सत्यजीत कुमार सिंह तथा पटना मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो॰ डॉ॰ विद्यापति चौधरी ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम में आर्यभट्‌ट ज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ (डॉ॰) अरूण कुमार अग्रवाल, पी॰एम॰सी॰एच॰ के अधीक्षक डॉ॰ बिमल कुमार 'कारक', आयोजन–समिति के अध्यक्ष डॉ॰ डी॰के॰ चौधरी, पूर्ववर्ती छात्रसंघ के सचिव डॉ॰ राम राज रवि, कॉलेज स्थापना–दिवस के अध्यक्ष प्रो॰ (डॉ॰) उमेश प्रसाद भदानी आदि सहित कई चिकित्सक, विद्यार्थी एवं गणमान्यजन भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में राज्यपाल ने कई चिकित्सकों को सम्मानित किया तथा 'स्मारिका' भी लोकार्पित की।

.....